आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–19 जुलाई 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- गोंडा में चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की छः बोगिया पटरी से उतरीं। इस रेल हादसे में तीन लोगों की मौत, बीस से अधिक हुए घायल।
- रेलवे ने की हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को दस लाख रुपए, गंभीर रुप से घायलों को ढाई लाख रूपये और घायलों को पचास हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा।
- सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को उम्मीदवारों का नाम उजागर किये बिना शहर और केन्द्रवार परिणाम प्रकाशित करने के दिये निर्देश। बाइस जुलाई को होगी अगली सुनवाई।
- प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति में आया सुधार। बाढ़ प्रभावित जिलों की संख्या छब्बीस से घटकर हुयी तेरह। कई जिलों में नदियां अभी भी खतरे के निशान से ऊपर।

****

गोण्डा जिले में गोण्डा–गोरखपुर रेलमार्ग पर मनकापुर सेक्शन के झिलाही हॉल्ट के पास कल दोपहर चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन की इक्कीस बोगियां पटरी से उतर गयीं। इस ट्रेन हादसे में तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि बीस लोग घायल हो गये। प्रशासनिक और रेलवे अधिकारियों की निगरानी में राहत कार्य जारी है। रेलवे की ओर से हादसे में मृतकों के परिजनों को दस लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को ढाई लाख और घायलों को पचास हजार रुपए की सहायता राशि दिये जाने की घोषणा की गयी है। वहीं मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। और जानकारी हमारे संवाददाता से–

हादसा दोपहर ढाई बजे के करीब हुआ जब चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन गोंडा से गोरखपुर की तरफ जा रही थी और मनकापुर से पांच किलोमीटर पहले पटरियों से ट्रेन के डिब्बे उतर गए। इस हादसे में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है और यात्रियों को बस के जरिए मनकापुर स्टेशन ले जाया गया है।+रेलवे के सीपीआरओ ने आकाशवाणी समाचार से बातचीत में बताया है कि फिलहाल घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और रेलवे इस मेन रूट को सही करने और राहत कार्य को संपन्न करने का काम युद्धस्तर पर जारी रखे हुए है। सुशील चंद्र तिवारी, आकाशवाणी समाचार गोरखपुर।

रेल हादसे की वजह से लखनऊ से गुवाहाटी जाने वाला मुख्य रेलमार्ग अवरुद्ध है। इस मार्ग पर ग्यारह ट्रेनों का रूट परिवर्तित कर दिया गया और दो ट्रेने रद्द कर दी गईं। रेल यात्रियों की मदद और अन्य जानकारी के लिये रेलवे ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। लखनऊ के लिए ये नंबर 8 9 5 7 4 0 9 2 9 2 और गोंडा के लिए 8 9 5 7 4 0 0 9 6 5 हैं, जबकि देवरिया सदर के लिये 8 3 0 3 0 9 8 9 5 0 है।

इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज के साथ–साथ राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये हैं।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में कांवड़ यात्रा से संबंधित सड़कों की मरम्मत का शेष काम जल्द पूरा करने का निर्देश दिये हैं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, सिंचाई और नगर विकास विभागों के अधिकारियों से कहा कि पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग की साफ–सफाई कराई जाए, कहीं भी गंदगी अथवा जलभराव नहीं होना चाहिए और कांवड़ यात्रा मार्ग पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाये तथा यात्रा मार्ग की निगरानी ड्रोन से हो। श्री योगी ने कहा कि प्रमुख अवसरों पर कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा भी कराई जाये।

उन्होंने कहा कि यह सिलसिला पूरे महीने जारी रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद, मेरठ, बरेली, अयोध्या, बस्ती, प्रयागराज, काशी, बाराबंकी के नगरीय क्षेत्रों में आस्था के केंद्र शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा मंदिर प्रबंधन से संपर्क–संवाद कर शिवालयों में भीड़ प्रबंधन कर लिया जाए।

उधर, सावन में काशी विश्वनाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिये दर्शन पूजन और सुरक्षा की दृष्टि से नये दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। एक रिपोर्ट हमारे प्रतिनिधि से–

सावन का महीना 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त तक चलेगा। वाराणसी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए दर्शन–पूजन और सिक्योरिटी की नई गाइडलाइन जारी की गई है। सावन के हर सोमवार को सभी तरह के दैनिक पास निरस्त रहेंगे। इस दिन मंदिर के अंदर एक भी लॉकर की सुविधा नहीं होगी। वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए एक तय समय में ही प्रोटोकॉल दर्शन पूजन की व्यवस्था होगी। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि जिकजैक लगाकर श्रद्धालुओं को नियंत्रित किया जाएगा जिससे कि मंदिर परिसर में अधिक भीड़ हो तो उनको नियंत्रित किया जा सके इसके अलावा जब सावन के सोमवार को अत्यधिक संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में पधारेंगे तो स्पर्श दर्शन पर रोक लग जाएगी। मनीष सिंह, आकाशवाणी समाचार, वाराणसी।

****

सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेन्सी से नीट यूजी–दो हजार चौबीस परिणाम के सभी परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम कल यानी शनिवार की दोपहर बारह बजे तक वेबसाइट पर डालने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चन्द्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे0 बी0 पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने उम्मीदवारों के नाम उजागर किए बिना शहर और केन्द्र–वार परिणाम प्रकाशित करने का निर्देश दिया। सर्वोच्च न्यायालय की पीठ, मेडिकल प्रवेश परीक्षा से जुड़ी लगभग चालीस याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। अगली सुनवाई बाइस जुलाई को होगी।

****

उत्तर प्रदेश रीयल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी–**रेरा** ने रीयल एस्टेट प्रोमोटर्स के कारोबार में पारदर्शिता लाने के लिये उपभोक्ताओं के सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रेरा द्वारा पंजीकृत परियोजनाओं को एक विशिष्ट क्यू.आर. कोड प्रदान किया गया है। प्रत्येक नयी परियोजना के अलावा उन परियोजनाओं को भी यह क्यू.आर. कोड प्रदान किया है जिनका पंजीकरण वैध है। किसी भी परियोजना में निवेश के लिए इच्छुक व्यक्ति अपने मोबाइल फोन से इस कोड को स्कैन कर सकता है और उत्तर प्रदेश रेरा के पोर्टल से परियोजना तथा प्रोमोटर से संबन्धित सभी जानकारियां आसानी से प्राप्त कर सकता है। इसके साथ ही विज्ञापनों में प्रकाशित विवरणों की सत्यता भी परख सकता है। रेरा के अध्यक्ष, संजय भूसरेड्डी ने कहा है कि रेरा का प्रयास है कि कोई भी खरीदार विज्ञापनों से धोखे में न आ जाए। सत्यता परख कर ही खरीदारी सुनिश्चित करे।

****

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कल हाथरस के आर.डी. कन्या महाविद्यालय के स्वर्णोदय महोत्सव में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने सत्संग में भगदड़ के मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि लोगों को अंध विश्वास से दूर रहना चाहिए, अंध विश्वास का भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई जरूर होनी चाहिए। श्रीमती पटेल ने कहा कि लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत हैं, क्योंकि बेटियां देश का भविष्य हैं।

****

प्रदेश के कई जिलों मे बाढ़ की स्थिति में सुधार आया है। बीते तीन दिनों से बारिश न होने और नेपाल से पानी छोड़े जाने के नियंत्रण के बाद राज्य में बाढ़ प्रभावित जिलों की संख्या छब्बीस से घट कर तेरह रह गयी है, हालांकि अभी भी लखीमपुर खीरी, कुशीनगर, शाहजहांपुर, बाराबंकी, सिद्धार्थनगर, बलिया, गोरखपुर, हरदोई, अयोध्या, बदायूं, देवरिया, उन्नाव और महराजगंज ज़िलों की तिहत्तर तहसीलों के सोलह सौ से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। गोरखपुर में राप्ती नदी का जलस्तर घटा है, फिर भी वह खतरे के निशान से पंचानबे सेंटीमीटर ऊपर बह रही है, जबकि जिले के पचास से अधिक गांव अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं सिद्धार्थनगर में बूढ़ी राप्ती और गोंडा में क्वानो खतरे के जलस्तर से ऊपर बह रही है। उधर, वाराणसी में गंगा के जलस्तर में बढ़ोत्तरी हो रही है। नगर के करीब दस गंगा घाट डूब चुके हैं। राहत आयुक्त कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो में पंद्रह कंपनी एनडीआरएफ, सोलह कंपनी एसडीआरएफ और तैंतीस कंपनी पीएसी फ्लड बटालियन तैनात की गयी हैं। लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा रहा है। बाढ़ प्रभावित जिलों में प्रशासन द्वारा राहत सामग्री बांटी जा रही है।

****

प्रदेश के पूर्वी जिलों में कल शाम से हो रही रिमझिम वर्षा के चलते बीते तीन दिन से पड़ रही उमस भरी भीषण गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली है। गोरखपुर और आसपास के जिलों में आज सुबह से ही आसमान में बादल छाये हुए हैं और कुछ स्थानों पर रूक–रूक कर बूंदाबांदी से लेकर हल्की वर्षा हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार छिटपुट वर्षा का क्रम अगले तीन से चार दिन तक जारी रहेगा।

****

उन्नाव जिले के आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर कल शाम हुयी एक सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु हो गयी जबकि तीन अन्य घायल हो गये। दुर्घटना तब हुयी जब दिल्ली से फैजाबाद जा रहा एक चारपहिया वाहन जिले के बांगरमऊ के फतेहपुर खालसा गांव के सामने एक अन्य अज्ञात वाहन से टकरा गया।

****